बहूरानी की चूत की प्यास-3

“मैं अपनी बहू की चुदाई के लिए बेचैन हो रहा था
और आधी रात में नंगा ही उसके कमरे की ओर बढ़ा
कि सामने से बहु पूरी नंगी आती दिखाई दी. …”

Story By: Sukant Sharma (sukant7up)
Posted: गुरूवार, नवम्बर 9th, 2017
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: बहूरानी की चूत की प्यास-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहूरानी की चूत की प्यास-3

आपने पिछले भाग में पढ़ा कि मैं अपनी बहू की चुदाई के लिए बेचैन हो रहा था और आधी रात में नंगा ही उसके कमरे की ओर बढ़ा.
अब आगे :

मुझे एक अस्पष्ट सा साया अपनी ओर आते दिखा, उसका गोरा जिस्म उस अंधेरे में भी अपनी आभा बिखेर रहा था. आँखें गड़ा कर देखा तो… बहूरानी ! हाँ अदिति ही तो थी.

मेरी बांहें खुद ब खुद उठ गईं उधर उसकी बांहें भी साथ साथ उठीं और हम दोनों एक दूजे के आगोश में समा गए. बहूरानी के तन पर कोई वस्त्र नहीं था, एकदम मादरजात नंगी, उसकी जुल्फें खुली हुई कन्धों पर बिखरीं थीं. उसके नंगे बदन की तपिश मुझे जैसे झुलसाने लगी और मेरे हाथ उसके नंगे जिस्म को सब जगह सहलाने लगे. मैंने उसके दोनों दूध मुट्ठियों में दबोच लिए.
इधर मेरा लंड उसकी चूत का आभास पा कर और भी तन गया और उसकी जाँघों से टकराने लगा.

“पापा जी, आई लव यू !” बहू रानी भावावेश में बोली और मेरा लंड पकड़ कर सहलाने लगी साथ में मेरी गर्दन में एक हाथ डाल कर मेरा सिर झुका के अपने होंठ मेरे होंठों से मिला कर चुम्बन करने लगी.
“आई लव यू टू अदिति बेटा !” मैंने कहा और उसका मस्तक चूम लिया और एक हाथ नीचे ले जा कर उसकी चूत सहलाने लगा.
बहूरानी की चूत बहुत गीली होकर रस बहा रही थी यहाँ तक कि उसकी झांटें भी भीग गईं थीं.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उस नीम अँधेरे ड्राइंग रूम में दो जिस्म आपस में लिपटे हुए यूं ही चूमा चाटी करते रहे.

अचानक बहूरानी ने मेरे हाथ पर अपना हाथ रख दिया और उसे दबा कर अपनी चूत रगड़ने लगी. मैंने भी उसकी चूत मुट्ठी में भर के मसल दी. मेरे ऐसा करते ही बहूरानी नीचे घुटनों के बल बैठ गई और मेरा लंड अपने मुंह में भर लिया, लंड को कुछ देर चाटने चूसने के बाद वो नंगे फर्श पर ही लेट गई और मेरा हाथ पकड़ कर अपने ऊपर खींच लिया, फिर अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर मेरी कमर में लपेट कर कस दिए और मेरे कंधे में जोर से काट लिया.
बहुत उत्तेजित थी वो !

वक़्त की नजाकत को समझते हुए मैंने उसका निचला होंठ अपने होंठों में दबा लिया और चूसने लगा. उधर बहूरानी ने एक हाथ नीचे ले जा कर मेरे लंड को पकड़ के सुपारा अपनी रिसती चूत के मुहाने पर रख के लंड को चूत का रास्ता दिखाया.

“अब आ जाओ पापा जी जल्दी से. समा जाओ अपनी अदिति की प्यासी चूत में !” बहूरानी अपनी बांहों से मुझे कसते हुए बोली.
“ये लो अदिति बेटा !” मैंने कहा और लंड को धकेल दिया उसकी चूत में… लंड उसकी चूत में फंसता हुआ कोई दो तीन अंगुल तक घुस के ठहर सा गया.
“धीरे से पापा जी, बहुत बड़ा और मोटा लंड है आपका. आज कई महीने बाद ले रही हूँ न !” बहूरानी कुछ विचलित स्वर में बोली और अपनी टाँगें उठा के अपने हाथों से पकड़ कर अच्छे से चौड़ी खोल दीं जिससे उसकी चूत और ऊपर उठ गई.

मैंने बहूरानी की बात को अनसुना करते हुए लंड को थोड़ा सा आगे पीछे किया और फिर अपने दांत भींच कर लंड को बाहर तक निकाल के जोरदार धक्का मार दिया. इस बार पूरा लंड जड़ तक घुस गया बहु की चूत में.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“हाय राम मार डाला रे, आपको तो जरा भी दया नहीं आती अपनी बहू पे. ऐसे बेरहमी से घुसा दिया जैसे कोई बदला निकाल रहे हो मेरी चूत से !” बहू रानी चिढ़ कर बोली.
“बदला नहीं अदिति बेटा, ये तो लंड का प्यार है तेरी चूत के लिए !” मैंने उसे चूमते हुए समझाया.
“रहने दो पापा जी, देख लिया आपका प्यार. धीरे धीरे आराम से घुसाते तो क्या शान घट जाती आपके लंड की ? पराई चीज पे दया थोड़ी ही न आती है किसी को !”

बहू रानी की बात सुन के मुझे हंसी आ गई- अदिति बेटा, तेरी चूत पराई नहीं है मेरे लिए ; पर मेरा लंड इसी स्टाइल में घुसता है चूत में !
मैंने कहा.
“चाहे किसी की जान ही निकल जाये आप तो अपने स्टाइल में ही रहना. मम्मी जी को भी ऐसे ही सताते होगे आप ?”
“बेटा, तेरी सासू माँ की चूत तो अब बुलन्द दरवाजे जैसी हो गई है, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे हाथ ही घुसा दो कोहनी तक !”
“तो मेरी चूत भी आप इंडियागेट या लालकिले जैसी बना दोगे इसी तरह बेरहमी से अपना मोटा लंड घुसा घुसा के ?” बहूरानी ने मुझे उलाहना दिया.
“अरे नहीं अदिति बेटा, अभी तेरी उमर ही क्या है, तेईस चौबीस की होगी. अभी तेरी चूत तो यूं ही टाइट रहेगी सालों साल तक और किसी कुंवारी लड़की की कमसिन चूत की तरह मज़ा देती रहेगी मुझे.” मैंने बहूरानी को मक्खन लगाया और उसके निप्पल चुटकी में भर के उसका निचला होंठ चूसने लगा.

“हुम्म… चिकनी चुपड़ी बातें करवा लो आप से तो !” बहूरानी बोलीं और मेरे चुम्बन का जवाब देने लगी और उसकी दोनों बांहें अब मेरी गर्दन से लिपट गईं थीं. फिर बहूरानी ने अपनी जीभ मेरे मुंह में घुसा दी जिसे मैं चूसने लगा. मेरा मुखरस बह बह के बहूरानी के मुंह में समाने लगा फिर बहूरानी ने मेरी जीभ अपने मुंह में ले ली और जीभ से जीभ लड़ाने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लगी.

“पापा जी एक बात बताओ ?” बहूरानी ने चुम्बन तोड़ कर मुझसे कहा.
“पूछो बेटा ?”
“अभी आप मुझसे दूर ड्राइंग रूम में क्यों सोये थे ?”
“अदिति बेटा, मैं सुबह से ही देख रहा था कि तुम मेरी नज़रों से बच रही थी, आंख झुका के बात कर रहीं थीं तो मुझे लगा कि हमारे बीच बन गए सेक्स के रिश्ते का तुम्हें पछतावा है और तुम अब वो सम्बन्ध फिर से नहीं बनाना चाहतीं, इसीलिए मैं अलग सो गया था.”

अब तुम बताओ तुम्हारे मन में क्या चल रहा था ?” मैंने कहा.
“पापा जी, मैं शुरू से बताती हूँ पूरी बात. मैं शादी के समय भी बिल्कुल कोरी कुंवारी थी. आपके बेटे ने ही सुहागरात को मेरी योनि की सील तोड़ कर मेरा कौमार्य भंग किया था फिर उसके बाद आप मेरे जीवन में अचानक अनचाहे ही आ गए. गुड़िया ननद की शादी के बाद जब आप उस रात छत पर उस एकान्त कमरे में अकेले सो रहे थे और मैं आपके पास आपको अपना पति समझ के पूरे कपड़े उतार कर पूरी नंगी होकर आपके पास लेट गयी थी और आपको सम्भोग करने के लिए मना रही थी, उकसा रही थी. लेकिन आप मुझसे बचने का प्रयास कर रहे थे क्योंकि आप मुझे पहचान गए थे ; लेकिन मैं आपको उस अंधेरे में नहीं पहचान पाई और आपका लिंग चूस चूस कर चाट चाट कर आपको मनाती रही उकसाती रही.”

“आप भी कहाँ तक सहन करते वो सब. विवश होकर आप मेरे ऊपर चढ़ गए और मुझमें बलपूर्वक मेरी इस में समा गए जैसे ही आपका विशाल लिंग मेरी प्यासी योनि में घुसा था, मैं समझ गयी थी कि मैं छली जा चुकी हूँ, कि मेरे साथ मेरा पति नहीं कोई और ही है क्योंकि आपके बेटे का लिंग आपसे बहुत छोटा और पतला सा है.”
“फिर आपने जिस तूफानी ढंग से मुझे भोगा, मेरी योनि के कस बल निकाल के जो सम्भोग

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

का चरम का सुख मुझे दिया, जो परम आनन्द आपने दिया वो मेरे लिये अलौकिक और नया था ; आपने मेरे साथ प्रथम सम्भोग में ही मुझे कई कई बार डिस्चार्ज कराया ; निहाल हो गयी थी मैं तो. आपके सुपुत्र तो चार पांच मिनट में ही सब निपटा के सो जाते थे. मैं भी यही जानती थी कि सेक्स ऐसा ही होता होगा. कभी सोचा या कल्पना तक नहीं की थी उस आनन्द के बारे में जिससे आपने मुझे परिचित कराया, जिससे मैं तब तक अनजान थी.”

“फिर मैं आपसे बार बार सेक्स करने को बेचैन, बेकरार रहने लगी और उसके बाद हमारे बीच कई बार सम्बन्ध बने.”
“पापा जी मेरे बदन को आज तक सिर्फ आपके बेटे ने और आपने ही भोगा है किसी अन्य पुरुष ने कभी गलत नियत से छुआ भी नहीं है पहले. आपसे सम्बन्ध बनने के बाद जब मैं यहाँ आ गयी तो मुझे अपने पति के साथ सहवास में वो आनन्द और तृप्ति नहीं मिली जो आप के साथ मिलन में मिली थी. मेरे संस्कार मुझे धिक्कारने लगे, अपने किये का पछतावा होने लगा मुझे. मन पर एक बोझ सा रहने लगा हमेशा, जैसे कोई महापाप हो गया हो मुझसे. आज आप आये तो सोच लिया था कि अब और नहीं करना वो सब ; क्योंकि मन पे पड़ा बोझ बहुत तकलीफ देता है.” बहूरानी बोली.

“बहूरानी, फिर उसके बाद क्या हुआ तुम खुद नंगी होकर मेरे पास आ रही थी ?” मैंने पूछा और अपने लंड को उसकी चूत में दो तीन बार अन्दर बाहर किया. उसकी चूत अब खूब रसीली हो उठी थी और लंड बड़े आराम से मूव करने लगा था.

“हाँ पापा जी, आज जब हम डिनर करके उठ गए तो मैं भी घर का काम समेट कर, मन को पक्का करके लेट गयी थी कि अब आपके साथ वो सम्भोग का रिश्ता फिर से बिल्कुल नहीं बनाना है. लेकिन बहुत देर तक मुझे नींद नहीं आई. जो कुछ सोच रखा था वो सब उड़ गया दिमाग से… मैं वासना की अगन में जलने लगी, मेरा रोम रोम आपको पुकारने लगा और आपका प्यार पाने को, आपके लंड से चुदने को मेरा बदन रह रह कर मचलने लगा. मेरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूत में बार बार तेज खुजली सी मचती और वो आपके लंड की आस लगाये पानी छोड़ने लगती, थोड़ी देर मैंने अपनी उंगली भी चलाई इसमें पर अच्छा नहीं लगा. और मैं यूं ही छटपटाती रही बहुत देर तक.”

“कई बार मन ही मन चाहा भी कि आप आओ और मुझ में जबरदस्ती समा जाओ ; मैं ना ना करती रहूँ लेकिन आप मुझे रगड़ रगड़ के चोद डालो अपने नीचे दबा के. लेकिन आप नहीं आये. फिर टाइम देखा तो दो बजने वाले थे, मुझे लगा कि ऐसे तो जागते जागते मैं पागल ही हो जाऊँगी. अभी दस रातें साथ रहना है कोई कहाँ तक सहन करेगा ऐसे. अब जो होना है वो होने दो यही सोच कर मैंने अपनी नाइटी उतार फेंकी. ब्रा और पैंटी तो मैंने पहनी ही नहीं थी और नंगी ही आ रही थी आपके पास. उधर से आप भी मेरे पास चले आ रहे थे बिना कपड़ों के…” बहूरानी ने अपनी बात बताई.

बहूरानी के मुंह से चूत लंड शब्द सुनकर मुझे आनन्द आ गया.
“बहूरानी जी, अब तो कोई पछतावा नहीं होगा न ?” मैंने पूछा.
“नहीं पापा जी, अब कुछ नहीं सोचना इस बारे में, जो हो रहा है होने दो. आप तो जी भर के लो मेरी. जैसे चाहो वैसे चोदो मुझे, मैं पूरी तरह से आपकी हूँ. लाइफ इस फॉर लिविंग !” बहूरानी खुश होकर बोली और मुझसे लिपट गयी.

“तो लो फिर !” मैंने कहा और उसकी चूत में हल्के हल्के मध्यम रेंज के शॉट्स मारने शुरू किये.
जल्दी ही बहूरानी अपने चूतड़ उठा उठा के जवाब देने लगीं.
उस अंधेरे में स्त्री पुरुष, नर मादा का सनातन खेल चरम पर पहुंचने लगा. बहूरानी मेरे लंड से लय ताल मिलाती हुई चुदाई में दक्ष, पारंगत कामिनी की तरह अपनी चूत उठा उठा के मुझे देने लगी. बहूरानी की चूत से निकलती फच फचफच फचाफच फचा फच की आवाजें, नंगे फर्श पर गिरते उसके कूल्हों की थप थप और उसके मुंह से निकलती कामुक कराहें

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ड्राइंग रूम में गूंजने लगीं.

“पापा जी, जोर से चोदो… हाँ ऐसे ही. अच्छे से कुचल दो मेरी चूत… आह… आह… क्या मस्त लंड है आपका…” बहूरानी अपनी ही धुन में बहक रही थी अब.

अंधेरे कमरे में नंगे फर्श पर चूत मारने का वो मेरा पहला अनुभव था ; मेरे घुटने और कोहनी फर्श पर रगड़ने से दर्द करने लगे थे लेकिन चुदाई में भरपूर मज़ा भी आ रहा था. बहूरानी कमर उठा के मेरे धक्कों का प्रत्युत्तर देती और फिर उसके नितम्ब फर्श से टकराते तो अजीब सी पट पट की उत्तेजक ध्वनि वातावरण को और भी मादक बना देती.

इसी तरह चोदते चोदते मेरे घुटने जवाब देने लगे तो मैंने बहूरानी को अपने ऊपर ले लिया. अब चुदाई की कमान बहूरानी की चूत ने संभाल ली और वो उछल उछल के लंड लीलने लगी. मैंने उसके मम्मे पकड़ लिए और उन्हें दबाने लगा.

कोई दो मिनट बाद ही बहूरानी मेरे ऊपर से उतर गई- पापा जी, मेरे बस का नहीं है ऐसे. फर्श पर मेरे घुटने छिल जायेंगे. आप मेरे ऊपर आ जाओ.
वो बोली.

अत: मैंने फिर से बहूरानी को अपने नीचे लिटा लिया और उसे पूरी स्पीड से चोदने लगा. जल्दी ही हम दोनों मंजिल पर पहुंचने लगे. बहूरानी मुझसे बेचैन होकर लिपटने लगी ; और अपनी चूत देर देर तक ऊपर उठाये रखते हुए लंड का मज़ा लेने लगी. जल्दी ही हम दोनों एक साथ झड़ने लगे. बहूरानी ने अपने नाखून मेरी पीठ में गड़ा दिए और टाँगे मेरी कमर में लपेट कर कस दीं. मेरे लंड से रस की पिचकारियां छूट रहीं थीं तो उधर बहूरानी की चूत भी सुकड़-फैल कर मेरे लंड को निचोड़ रही थी.

थोड़ी देर बाद ही बहूरानी का भुज बंधन शिथिल पड़ गया साथ ही उसकी चूत सिकुड़ गई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिससे मेरा लंड फिसल के बाहर निकल आया.
“थैंक्स पापा जी, बहुत दिनों बाद आज मैं तृप्त हुई.” वो मुझे चूमते हुए बोली.

“क्यों, मेरा बेटा तुझे पूरा मज़ा नहीं देता क्या ?”
“वो भी देते हैं; लेकिन आपके मूसल जैसे लंड की ठोकरें खाने में मेरी चूत को जो आनन्द और तृप्ति मिलती है वो अलग ही होती है, उसका कोई मुकाबला नहीं. आपका बेटा तो ऐसे संभल संभल कर करता है कि कहीं चूत को चोट न लग जाए, उसे पता ही नहीं कि चूत को जितना बेरहमी से ‘मारो’ वो उतनी ही खुश होती है.”
“हहाहा, बहूरानी वो धीरे धीरे सीख जाएगा. सेक्स के टाइम तुम उसे बताया करो कि तुम्हें किस तरह मज़ा आता है.”

“ठीक है पापा जी, अच्छा चलो अब सो जाओ. साढ़े तीन से ऊपर ही बजने वाले होंगे पूरी रात ही निकल गयी जागते जागते” बहू रानी बोली.
“अभी थोड़ी देर बाद सोयेंगे. आज अंधेरे में चुदाई हो गई, तेरी चूत के दीदार तो हुए ही नहीं अभी तक. बत्ती जला के अपनी चूत के दर्शन तो करा दे, जरा दिखा तो सही ; बहुत दिन हो गए देखे हुए !” मैं बोला.

“पापा जी, कितनी बार तो देख चुके हो मेरी चूत को, चाट भी चुके हो. अब तो आपको ये दो दिन बाद बुधवार को ही मिलेगी.”
“ऐसा क्यों ? कल और परसों क्यों नहीं दोगी ?”
“पापा जी, अब सुबह होने वाली है. दिन निकलते ही सोमवार शुरू हो जाएगा. सोमवार को मेरा व्रत होता है और मंगल को आपका. अब तो बुधवार को ही दूंगी मैं !”
“चलो ठीक है. लेकिन अभी एक बार दिखा तो सही अपनी चूत !” मैंने जिद की.

बहूरानी उठी और लाइट जला दी, पूरे ड्राइंग रूम में तेज रोशनी फैल गयी. उस दिन महीनों बाद बहूरानी को पूरी नंगी देखा. कुछ भी तो नहीं बदली थी वो. वही रंग रूप, वही

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तने हुए मम्में, केले के तने जैसी चिकनी जांघे और उनके बीच काली झांटों में छुपी उसकी गुलाबी चूत.

मैंने बहूरानी को पकड़ कर सोफे पर बैठा लिया और उसका एक पैर अपनी गोद में रखा और दूसरा सोफे पर ऊपर फैला दिया जिससे उसकी चूत खुल के सामने आ गयी. मैंने झुक के देखा और चूम लिया चूत को… चूत में से मेरे वीर्य और उसके रज का मिश्रण धीरे धीरे चू रहा था जिसे बहूरानी ने पास रखी नैपकिन से पौंछ दिया.

“ये झांटें क्यों नहीं साफ़ करती तू ?” मैंने पूछा.
“पापा जी, ये काम तो आपका बेटा करता है मेरे लिए हमेशा. अब आपको करना पड़ेगा. परसों आप नाई बन जाना मेरे लिए और शेव कर देना मेरी चूत. कर दोगे न पापा जी ?” बहूरानी ने पूछा.
“हाँ, बेटा जरूर. तेरी सासू माँ की चूत भी तो मैं ही शेव करता हूँ ; तेरी भी कर दूंगा. चूत की झांटें बनाने में तो मुझे ख़ास मज़ा आता है.” मैं हंस कर बोला.

“ठीक है अब जाने दो, मुझे फर्श साफ़ कर दूं. देखो कितना गीला हो रहा है”
“तुम्हारी चूत ने ही तो गीला किया है इसे.” मैंने हंसी की.
“अच्छा … आपका लंड तो बड़ा सीधा है न. उसमें से तो कुछ निकला ही न होगा, है ना ?”

बहूरानी ऐसे बोलती हुई किचन में गयी और पौंछा लाकर फर्श साफ़ करने लगी. मैं नंगा ही दीवान पर लेट गया और सोने लगा.
“पापा जी, ऐसे मत सोओ कुछ पहन लो. अभी सात बजे काम वाली मेड आ जायेगी, अच्छा नहीं लगेगा.”
“ठीक है बेटा !” मैंने कहा और चड्ढी पहन कर टी शर्ट और लोअर पहन लिया.

फिर कब नींद आ गयी पता ही न चला.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहु की चूत चुदाई की कहानी आपको कैसी लग रही है ?

कहानी अभी जारी रहेगी.

sukant7up@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Kinara Lane

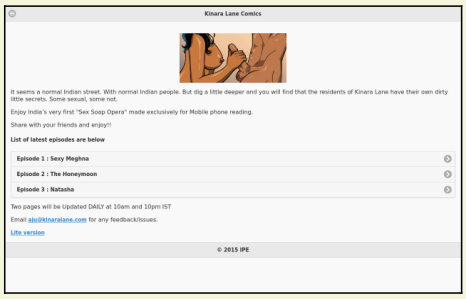

URL: www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Indian Porn Videos

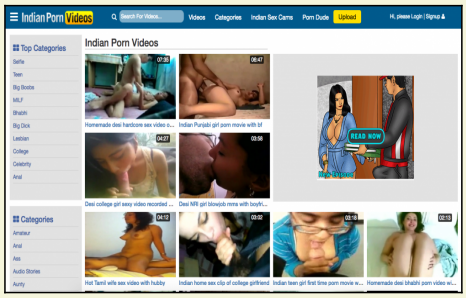

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Urdu Sex Stories

URL: www.urduxstories.com **Average traffic per day:** 6 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Story **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex stories & hot sex fantasies.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire